रैली कोसा प्रगुणन केम्प
ग्राम - परसुली (बरबहरा)
विकासखण्ड - गरियाबंद
जिला - गरियाबंद
प्रारम्भ दिनांक- 17-09-2014

जिला रेशम विभाग गरियाबंद सफलता की कहानी

जिला रेशम विभाग गरियाबंद पूर्व में जिला रेशम कार्यालय रायपुर से संचालित होता था। वर्तमान में जिला रेशम कार्यालय गरियाबंद, **दिनांक 27 अगस्त 2014 को अस्तित्व में आया।** इसके अंतर्गत विकासखण्ड फिंगेश्वर में चार ईकाइयां कार्यरत हैं। जिनमें **तसर केन्द्र किरवई/तसर केन्द्र रावड़ तथा रेशम केन्द्र कौंदकेरा तथा रेशम केन्द्र लोहरसी में तसर/मलबरी का उत्पादन** का कार्य चल रहा हैं।

जिला गरियाबंद में उत्पादित कोसा को क्रय करने हेतु **ककून बैंक की स्थापना दिनांक 01.01. 2015** को **रेशम केन्द्र कौंदकेरा** में किया गया हैं, तथा **जिलाध्यक्ष महोदय गरियाबंद** के द्वारा इन केन्द्रो का निरीक्षण किया जा कर ककून बैंक कौंदकेरा में जिला प्रशासन मद से ककून स्टायफिलिंग मशीन, स्टायफिलिंग कक्ष तथा ककून भंडारण कक्ष का निर्माण स्वीकृत किया गया हैं।

क्र.	कार्य का विवरण	कार्य की मात्रा	प्राप्त वित्तीय राशि का विवरण	मद जिसके अंतर्गत राशि प्राप्त हुई
1	2	3	4	5
1.	Hot Air Drier 100 kg. capacity	01 नग	1.84 लाख	आईएपी
2.	ककून स्टायफलिंग मशीन सह स्टोर कक्ष	01 नग	5.169 लाख	आईएपी
3.	ककून गोदाम निर्माण	01 नग	13.205 लाख	आईएपी
योग –		**03 नग**	**20.214 लाख**	

ककून बैंक स्थापित होने के पश्चात जिले में ककून बैंक के माध्यम से 7 लाख डाबा एवं रैली कोसा का क्रय– विक्रय तथा मलबरी ककून 7.50 किलोग्राम का क्रय–विक्रय करते हुए रूपये 20 लाख के करीब ट्रांजेक्सन किया गया तथा इससे विभागीय आय में रूपयें 5 लाख का राजस्व प्राप्ति के साथ ककून बैंक की आय रूपये 1 लाख से अधिक इस दौरान हुई। इसके पूर्व यह व्यवस्था न होने से यहां का ककून अन्य जिलो में विक्रय हेतु जाता था व किसी भी प्रकार का राजस्व या लाभ प्राप्त नही होता था साथ ही हितग्राहियों को उनके उत्पाद का वाजिब मूल्य समय से प्राप्त नहीं होता था। जिला प्रशासन खास कर **जिलाध्यक्ष महोदय के समन्वित प्रयास व सहयोग से यह संभव हो सका हैं।** अब जिले के किसानों को उनके उत्पाद के विक्रय व भूगतान हेतु कहीं भी भटकने या चिंता करने का विषय समाप्त हो चुका हैं।

गरियाबंद जिला रेशम के मामले में अभी 1 साल से भी कम समय में अपना अस्तित्व कायम करने में प्रयासरत रहा हैं इसी क्रम में नैसर्गिक कोसा के विकास हेतु **भी जिला प्रशासन, जिलाध्यक्ष महोदय के** माध्यम से संचालक ग्रामोद्योग को रैली कैम्प लगाने हेतु योजना जारी रखने की अनुशंसा व पत्राचार किया गया हैं। यदि नैसर्गिक रैली कोसा का पूर्व वर्ष की भांति उत्तरोत्तर प्रगुणन कराया जाता रहा तो अवश्य ही यहां के वनवासियों को लाखों रूपये का नैसर्गिक कोसा संग्रह व विक्रय करने से आय संभावित होगी। जिससे उनके जीवन स्तर में प्रभावी सुधार परिलक्षित होगा।

सहायक संचालक रेशम
गरियाबंद (छ.ग.)